S-I/4/1140/22

प्रथम सत्रार्द्ध

चतुर्थ पत्र

हिन्दी साहित्य

समय: तीन घण्टे

पूर्णाङ्क 80

अ. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15×2=30)

1. कबीर के गुरु का नाम क्या है?

अथवा

'बीजक' किसका संग्रह है?

2. भागवत को आधार बनाकर सूरदास ने किस ग्रंथ की रचना की है?

3. सूरदास के काव्य का अंगीरस क्या है?

4. लट-लटकनि मनु मत्त मधुपगन मादक मधूहि पिए। पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

(क) नागरी

(ख) पातकी

(ग) रुचिर

(घ) ढिग

5. 'केहरि कटि पर पीत धर।' का क्या अर्थ है?

6. तुलसीदास ने किस भाव से भक्ति की है?

7. नवधा भक्ति का क्या अर्थ है?

8. 'सखी वे मुझसे कहकर जाते।' किस ग्रंथ का गीत है?

अथवा

छायावाद के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

9. 'मैं अकेला' किसकी रचना है?

10. कवि नागार्जुन का जन्म कब और कहाँ हुआ?

अथवा

नागार्जुन को साहित्य अकादमी पुरस्कार कब मिला?

11. 'गाँधी पंचशती' किसकी रचना है?

12. विद्या धन उद्यम बिना, कहो जु पावे कौन। पंक्ति का क्या अर्थ है?

13. रामचरित मानस में कितने और कौन-कौन से काण्ड हैं?

14. 'सतसैया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर' किसके लिए कहा गया है?

अथवा

किसके काव्य में त्रिवेणी धारा प्रवाहित होती है?

15. भक्तिकाल को और किस नाम से जाना जाता है?

(5×6=30)

ब. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

16. कबीर द्वारा व्यक्त गुरु की महिमा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

17. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट करें -

मेरी भवबाधा हरो, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परे, श्याम हरित-दुति होइ॥
नर की अरु नल नीर की गति एकै करि जोइ।
जेतो नीचौ ह्वै चलै, तेतौ ऊँचौ होइ॥

अथवा

साँच झूठ निर्णय करै, नीति निपुण जो होय।
राजहंस बिन को करै, क्षीर नीर को दोय॥
कारज धीरे होतु है, काहे होत अधीर।
समय पाय तरुवर फलै, केतक सींचो नीर॥